# Hindi Murli Quiz 15-02-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज  के लिए यहाँ क्लिक करें |

*Q.1)* **" ऐसे नही कि सिर्फ आप बाप की जयन्ती मनाने आये हैं लेकिन बाप भी आदि साथी ब्राह्मण आत्माये, जन्म के साथी बच्चों का बर्थ डे मनाने आये हैं, क्योकि बाप ----------अवतरित नही होते लेकिन ब्रह्मा ब्राह्मण बच्चों के  साथ दिव्य जन्म लेते अर्थात् अवतरित होते हैं । सिवाए ब्राह्मणो के यज्ञ की रचना ---------बाप नही कर सकता । "**
**[निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे सटीक विकल्प से रिक्त स्थान भरें ]**

- **A.** शरीर में
- **B.** अकेला
- **C.** हर वर्ष
- **D.** सब के साथ

*Q.2)* **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

| | Choice | Match |
|---|---|---|
| A | आजकल ज्यादा सुनने वाले, समझने वाले कम है, | देखकर अनुभव करने वाले ज्यादा है । |
| B | "मुहब्बत से सहज पुरुषार्थी' का वरदान संगमयुग पर ही लेना है, | क्योंकि युग समाप्त तो वरदान भी समाप्त । |
| C | इस वरदान को जल्दी से जल्दी लेंगे तो, | हर कार्य, हर समस्या ऐसे पार होगी जैसे माखन से बाल निकल गया । |
| D | मधुवन आने के लिए आप सबको प्लेन या ट्रेन लेनी पड़ती है, | बाप को सिर्फ रथ लेना पड़ता है । |
| E | रूलिग पावर अर्थात, | कर्मेन्द्रियो के ऊपर जब चाहो तब रूल कर सको। |

*Q.3)* **" यह अलौकिक जन्म बाप का भी न्यारा है तो आप बच्चों का भी न्यारा और प्यारा है । यह एक ही बाप है जिसका ऐसा जन्म वा जयन्ती है जो अन्य किसी का भी ऐसे जन्मदिन न हुआ है, न होना है। निराकार और फिर दिव्य जन्म। अन्य सभी आत्माओ का जन्म अपने- अपने साकार शरीर में होता है लेकिन निराकार बाप का जन्म परकाया प्रवेश से होता है और बाप के इस दिव्य जन्म के साथ-साथ बच्चो का भी जन्म होता है । इसे शिव जयन्ती के रूप में भगत भी मनाते आते हैं। आप बच्चे सिर्फ मनाते नहीं हो लेकिन मनाने के साथ स्वय को बाप समान बनाते भी हो ।"**

- **A.** False / ये वाक्य गलत है
- **B.** True / ये वाक्य सही है

*Q.4)* **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

| | Choice | Match |
|---|---|---|
| A | बापदादा द्वारा बताये तीनो खातों मे जमा होने की निशानी है, | अपने को सदा सहज पुरुषार्थी अनुभव करेंगे। |
| B | सहज पुरुषार्थ का सिम्बल है, | दूसरो को भी उस आत्मा से सहज पुरुषार्थ की प्रेरणा मिलेगी । |
| C | बाप से, सेवा से और सर्व परिवार से मुहब्बत है, | तो यह तीनों प्रकार की मुहब्बत मेहनत से छुड़ा देती है । |
| D | बापदादा सभी बच्चों से यही श्रेष्ठ आशा रखते हैं, | कि सभी बच्चे सहज पुरुषार्थी सदा रहें । |
| E | 63 जन्म भक्ति में, उलझनो मे भटकने की मेहनत की है, | अब यह एक ही जन्म है मेहनत से छूटने का । |

*Q.5)* **"जो स्व-राज्य अधिकारी है वही विश्व के राज्य अधिकारी बनेंगे । जब चाहो, कैसा भी वातावरण हो लेकिन अगर मन-बुद्धि को ऑर्डर दो "स्टाप" तो स्टॉप होने में टाइम नही लगना चाहिए। यह अभ्यास हर एक को सारे दिन मे    बीच-बीच में करना आवश्यक है । कोशिश करो जिस समय मन-बुद्धि बहुत व्यस्त है, ऐसे समय पर भी अगर एक सेकण्ड के लिए स्टाप करने चाहो तो स्टॉप हो जाये। ऐसा न हो कि सोचो स्टाप और स्टाप होने मे 3 मिनट, 5 मिनट लग जाए। यह अभ्यास अन्त मे बहुत काम में आयेगा । इसी आधार पर पास विद आनर बन सकेगे।"**

- **A.** True
- **B.** False

*Q.6)* **बापदादा ने आज की मुरली में बच्चों के तीन खातों का जिक्र किया है। निम्नलिखित खातों में से उन तीन खातों का चयन करें ----**

- **A.** ☑ अपने पुरुषार्थ के प्रालब्ध का खाता,
- **B.** ☐ भजन-कीर्तन करने का खाता,
- **C.** ☑ सन्तुष्ट रह सन्तुष्ट करने से दुआओं का खाता,
- **D.** ☑ यथार्थ योगयुक्त, युक्तियुक्त सेवा के रिटर्न में पुण्य का खाता,
- **E.** ☐ उपवास एवं तीर्थ-यात्राओं का खाता

*Q.7)* **"दाता बनो, लेवता नही। कोई कुछ भी दे, अच्छा दे वा बुरा भी दे लेकिन आप बड़े ते बड़े बाप के बच्चे बड़ी दिल वाले हो, अगर बुरा भी दे दिया तो बड़ी दिल से बुरे को अपने मे स्वीकार न करो। दाता बन आप उसको सहयोग दो, स्नेह दो, शक्ति दो। कोई न कोई गुण अपनी स्थिति द्वारा गिफ्ट मे दे दो। रहम करो। दिल मे उस आत्मा के प्रति और एकस्ट्रा स्नेह इमर्ज करो। जिस स्नेह की शक्ति से वह स्वयं परिवर्तित हो जाए।"**

- **A.** ○ False
- **B.** ◉ True

*Q.8)* **यह मैचिंग एक्सरसाइज आज के वरदान पर आधारित है, इसे बहुत ध्यान से हल करें -**

| | Choice | Match |
|---|---|---|
| A | .इस संगम के समय को वरदान मिला है, | जो चाहे, जैसा चाहे, जितना चाहे उतना भाग्य बना सकते हैं। |
| B | भाग्य विधाता बाप ने तकदीर बनाने की चाबी बच्चो के हाथ मे दी है, | इसलिए लास्ट वाला भी फास्ट जाकर फर्स्ट आ सकता है। |
| C | सेवाओ के विस्तार मे स्वयं की स्थिति को, | सेकण्ड मे सार स्वरूप बनाने का अभ्यास करो। |
| D | डायरेक्शन मिले एक सेकण्ड मे मास्टर बीज हो जाओ, | तो टाइम न लगे। |
| E | डबल सेवा द्वारा पावरफुल वायुमण्डल बनेगा, | तो प्रकृति दासी बन जायेगी। |

*Q.9)* **वाक्यों को उनके अर्थ के अनुसार जोडें --**

| | Choice | Match |
|---|---|---|
| A | सिर्फ इसी जयन्ती को हीरे तुल्य जयन्ती कहते हो, | इसे मनाते स्वयं भी हीरे तुल्य जीवन में आ जाते हो। |
| B | बापदादा बच्चों को हिम्मत के रिटर्न में मदद देते रहते हैं, | बच्चो की हिम्मत और बाप की मदद। |
| C | जो सच्ची दिल से नि :स्वार्थ सेवा मे आगे बढ़ते जाते हैं, | उनके खाते मे पुण्य का खाता बहुत अच्छा जमा होता जाता है। |
| D | विघ्न विनाशक के आगे विघ्न न आवे, | तो उसे विघ्न विनाशक टाइटल नहीं दे सकते। |
| E | मन से दृढ़ सकल्प का हाथ, | सदा सफलता स्वरूप बनाता है। |

*Q.10)* **"आपके जड़ चित्र जो आधाकल्प पूजे जाते हैं उनमे कभी थोड़ा सा भी थकावट या मूड बदलने के चिन्ह दिखाई नहीं देते है। आपके जड़ चित्र सदा मुस्कराते रहते है जो चैतन्य का ही यादगार चित्र है। इसलिए थोड़ा सा भी थकावट वा चिड़चिड़ापन नही आना चाहिए। कैसी भी बात हो लेकिन रूप मुस्कराता हुआ, शीतल, गम्भीर और रमणीकता दोनो के बैलेन्स का हो।"**

- **A.** ◉ True
- **B.** ○ False